A-2051

SANSKRIT: UPNISHAD DARSHANA GRAMMAR AND TRANSLATION-B(ii) SEMESTER -II

TIME :3 HOURS **M:M: 75**

4333/MH

(प्रथम भाग)

1. किन्हीं दो मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या करें- 15

(क) द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया, समानं वृक्षं परिषस्वजाते।
तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्त्यनश्नन्नन्यो अभिचाकशीति।।

(ख) नैनमूर्ध्वं न तिर्यञ्चं, न मध्ये परिजग्रभत्।
न तस्य प्रतिमा अस्ति, यस्य नाम महद्यशः।।

(ग) नैव स्त्री न पुमानेष न चैवायं नपुंसकः।
यद्यच्छरीरमादत्ते तेन तेन स रक्ष्यते ।।

(घ) स्वभावमेके कवयो वदन्ति कालं तथाऽन्ये परिमुह्यमानाः।
दैवस्यैष महिमा तु लोके येनेदं भ्राम्यते ब्रह्मचक्रम्।।

2. वेदान्त दर्शन का परिचय **अथवा** योगदर्शनगत ईश्वर को स्पष्ट करें- 15

(द्वितीय भाग)

3. किन्हीं दो रूपों के सभी विभक्तियों में रूप लिखें- 10

पति, महत्, नदी, तत् (पुंल्लिंग)।

4. किन्हीं दो धातुओं के रूप लिखें- 10

वद् (लोट् लकार), गम् (लृट् लकार), दृश् (लङ् लकार), पच् (लट् लकार)।

5. किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें- 05

(क) सभी छात्र कक्षा में हैं।
(ख) वह कल आएगा।
(ग) पेड़ से पत्ते गिरते हैं।
(घ) गीता कहाँ है।
(ङ) तीन पुस्तकें।
(च) राम दौडता है।
(छ) शोर मत करो।
(ज) वह रमेश की बहन है।
(झ) सारी धरती ही एक परिवार है।
(ञ) तुम भर जाओ।

(तृतीय भाग)

6. निम्नलिखित प्रश्नो के अतिसंक्षिप्त उत्तर लिखें- 10X2=20

(क) **वद् धातु का लट् लकार-मध्यम पुरुष लिखें।**
(ख) पूर्वमीमांसाकार का नाम लिखें।
(ग) **चोरयिष्यति** में लकार, पुरुष व वचन बतायें।
(घ) **महताम्** में विभक्ति व वचन बतायें।
(ङ) **रामेषु** रूप किस विभक्ति में बनता है।
(च) युष्मद् का षष्ठी- बहुवचन लिखें।
(छ) पच् धातु का लोट् लकार-उत्तम पुरुष का रूप लिखें।
(ज) न्यायदर्शनकार का नाम लिखें।
(झ) **अभवत्** में लकार, पुरुष व वचन बतायें।
(ञ) **लता** की चतुर्थी विभक्ति लिखें।